मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 291
सोमवार, 11 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

धरती माता को केमिकल से बचाना भी एक आर्ट ऑफ लिविंग है': पीएम मोदी

बेंगलुरु, 10 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, अध्यात्म और सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देने में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की भूमिका की रविवार को सराहना की और विकसित भारत के निर्माण के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारी, युवा सशक्तीकरण एवं आंतरिक कल्याण के जरिये मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। मोदी आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45 वर्ष पूरे होने और इसके संस्थापक श्री श्री रविशंकर से जुड़े समारोहों में भाग लेने के लिए यहां आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने बेंगलुरु को ऐसा शहर बताया, जो केवल वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में ही नहीं उभरा बल्कि इसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को भी ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री ने विशाल परिसर में एक नए ध्यान केंद्र का भी उद्घाटन किया और भावी पीढ़ियों के लिए शांति एवं आरोग्य का केंद्र तैयार करने को लेकर संगठन को बधाई दी। उन्होंने भारत के सभ्यतागत मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की अपार विविधता को जोड़ने वाला मूल भाव निःस्वार्थ सेवा है। मोदी ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में आध्यात्मिक आंदोलनों ने मानवता की सेवा के जरिये स्वयं को अभिव्यक्त किया है।

उन्होंने आदिवासी सशक्तीकरण पहलों और कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के प्रयासों सहित कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से इस सिद्धांत को अपनाने के लिए

आर्ट ऑफ लिविंग की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत में आध्यात्मिक आंदोलन मानवता की सेवा पर जोर देते हैं। मोदी ने कहा कि समाज की भागीदारी राजनीतिक व्यवस्थाओं से अधिक प्रभावी होती है और यह राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा, जब तक समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भागीदारी नहीं करता, तब तक कोई भी सरकार सफल नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अभियान जन-भागीदारी से आगे बढ़ा। मोदी ने डिजिटल युग में भारत के बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि देश डिजिटल भुगतान में वैश्विक अगुआ बना है, उसने दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक विकसित किया है और वह मुख्य रूप से युवाओं की ऊर्जा से बुनियादी ढांचे एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है ।मोदी ने कहा, भारत न केवल वैज्ञानिक नवोन्मेष में साझेदार है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाएं युवाओं को आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, प्रौद्योगिकी दूर बैठे लोगों को तुरंत जोड़ देती है। लेकिन हम दुनिया से भले ही जुड़ें या नहीं जुड़ें, जरूरी यह है कि हम स्वयं से जुड़ें। मोदी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण ऐसे युवा करेंगे, जो मानसिक रूप से शांत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और समाज के प्रति संवेदनशील होंगे।

तमिलनाडु में थलपति विजय बने सीएम

तमिलनाडु, 10 मई। प्रशंसकों के बीच थलपति के नाम से मशहूर सी. जोसेफ विजय ने रविवार को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है। इस दौरान कांग्रेस नेता राहल गांधी भी मौजूद रहे। कई दिनों की गहन राजनीतिक चचाओं और विभिन्न दलों के समर्थन के बाद, तमिलनाडु सरकार के प्रमुख विजय ने विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही, विजय 1967 के बाद तमिलनाडु के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं जो डीएमके या एआईएडीएमके से संबंधित नहीं हैं, जिससे इन दोनों द्रविड़ दलों के दशकों पुराने वर्चस्व का अंत हो गया है।

विजय का तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक से राज्य के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक पहुंचना हाल के वर्षों की सबसे बड़ी राजनीतिक कहानियों में से एक बन गया है। 51 वर्षीय अभिनेता से

राजनेता बने विजय ने 120 विधायकों का समर्थन हासिल किया और 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 118 सीटों का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया। उनकी यह जीत पिछले कुछ दिनों में कई पार्टियों द्वारा टीवीके को समर्थन देने के बाद संभव हुई।

तमिलनाडु में राजनीतिक स्थिति में नाटकीय बदलाव तब आया जब कांग्रेस ने डीएमके से अपना गठबंधन तोड़कर विजय की पार्टी का समर्थन करने का फैसला किया। कांग्रेस के अलावा, कई अन्य पार्टियों ने भी टीवीके का समर्थन किया, जिनमें शामिल हैंः

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने विजय को सहयोगी पार्टियों से समर्थन पत्र सौंपने के बाद औपचारिक रूप से सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। लोक भवन से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विजय ने राज्यपाल को टीवीके विधायक दल के नेता के रूप में अपने चुनाव की जानकारी दी।

असम में फिर हिमंता बिस्वा सरमा का राज, 12 मई को लेंगे सीएम पद की शपथ

असम, 10 मई। हिमंता बिस्वा सरमा को सर्वसम्मति से एनडीए विधानसभा दल का नेता चुना गया है। भाजपा नेता 12 मई को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने असम विधानसभा चुनाव में शानदार चुनावी प्रदर्शन करते हुए 126 में से 102 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। असम में भाजपा ने पहली बार अपने दम पर बहुमत प्राप्त किया।

इसके बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 12 मई को एनडीए मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शपथ लेगी। मैं असम की जनता से अनुरोध करता हूं कि वे भविष्य में भी हमें अपना आशीर्वाद

देते रहें। हमारा लक्ष्य असम को आगे ले जाना और इसे देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनाना है। मैं असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हम अगली सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए असम के राज्यपाल से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है। मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है और हम अगले पांच वर्षों में विकास कार्यों को अंजाम देंगे। मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, साथ ही विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि समारोह में शामिल होने की उम्मीद है।

2027 की महाबिसातः योगी का चेहरा, जातीय गणित और भाजपा की नई सोशल इंजीनियरिंग

◆कैबिनेट विस्तार से भाजपा ने दिया बड़ा संदेश, पीडीए के जवाब में सत्ता का नया समीकरण तैयार, ओबीसी-दलित ब्राह्मण समीकरण साधने की कोशिश

सुरेश गांधी

वाराणसी। यूपी की राजनीति में सत्ता केवल सरकार नहीं होती, वह समाज का आईना भी होती है। यहां मंत्रिमंडल का हर विस्तार महज विभागों का बंटवारा नहीं बल्कि आने वाले चुनावों की पटकथा माना जाता है। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ सरकार के ताजा मंत्रिमंडल विस्तार को राजनीतिक गलियारों में 2027 विधानसभा चुनाव की औपचारिक शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है।

इस विस्तार ने एक बात साफ कर

दी है कि भाजपा अब केवल मोदी-योगी मैजिक के भरोसे चुनाव नहीं लड़ना चाहती, बल्कि वह जमीन पर जातीय और सामाजिक समीकरणों को भी नए सिरे से साधने में जुट गई है।

2024 लोकसभा चुनाव ने भाजपा को यह एहसास करा दिया कि यूपी की राजनीति में केवल राष्ट्रवाद और हिंदुत्व ही पर्याप्त नहीं है। सपा के पीडीए यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक फॉर्मूले ने भाजपा के अभेद्य माने जाने वाले किले में सेंध लगाई थी। अब भाजपा उसी सामाजिक समीकरण का जवाब अपने तरीके से तैयार कर रही है।

योगी मंत्रिमंडल के इस विस्तार में सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी को कैबिनेट में शामिल करने से गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट और ओबीसी राजनीति के मजबूत चेहरे माने जाने वाले भूपेंद्र चैधरी लंबे समय से संगठन की राजनीति में सक्रिय थे। उन्हें सरकार में शामिल कर भाजपा ने साफ संकेत दिया कि संगठन और सत्ता के बीच समन्वय को अब चुनावी हथियार बनाया जाएगा।

पश्चिमी यूपी भाजपा के लिए हमेशा निर्णायक क्षेत्र रहा है। किसान आंदोलन और लोकसभा चुनाव के बाद यहां भाजपा को कुछ राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में भूपेंद्र चैधरी को कैबिनेट में लाकर पार्टी ने पश्चिमी यूपी को संदेश दिया है कि क्षेत्रीय नेतृत्व की अनदेखी नहीं होगी। भाजपा समझती है कि 2027 का रास्ता पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होकर ही गुजरता है।

दूसरी ओर रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडे को मंत्री बनाना भी बेहद रणनीतिक फैसला माना जा रहा है। मनोज पांडे समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। ब्राह्मण समाज में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। ऐसे समय में जब विपक्ष भाजपा पर सवर्णों की उपेक्षा का आरोप लगा रहा था, तब मनोज पांडे को मंत्री बनाकर भाजपा ने ब्राह्मण समाज को बड़ा संदेश देने की कोशिश की है।

मतलब साफ है भाजपा इस बार किसी एक जातीय वर्ग पर निर्भर रहने के बजाय मल्टी लेयर सोशल इंजीनियरिंग पर काम कर रही है। ओबीसी, दलित, ब्राह्मण और महिला प्रतिनिधित्व को संतुलित तरीके से सामने लाकर पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि 2027 की लड़ाई केवल विचारधारा की नहीं बल्कि सामाजिक समीकरणों की भी होगी।

दरअसल 2024 लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए चेतावनी साबित हुआ। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने पीडीए फॉर्मूले के जरिए पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वोटों का बड़ा ध्रुवीकरण किया।

बद्रीनाथ से लौट रही बस ऋषिकेश के पास पलटी, 7 तीर्थयात्री घायल

ऋषिकेश। बद्रीनाथ से लौटते समय उत्तराखंड के टिहरी जिले के शिवपुरी के पास ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को एक बस के पलट जाने से सात तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 'कल्थरी डंपिंग पॉइंट' के पास जब दुर्घटना हुई, तब बस में चालक राजेश और परिचालक सोनू समेत 25 यात्री सवार थे। बस चालक और परिचालक दोनों देहरादून के रहने वाले थे। बस बद्रीनाथ से ऋषिकेश की ओर जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि वाहन चालक की खिड़की अचानक खुल गई और उसे बंद करने की कोशिश में वाहन सड़क से नीचे उतर गया। पुलिस के अनुसार, घायल हुए सभी लोग उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के निवासी हैं। उनकी पहचान सोनम गुप्ता (28), मुन्नी देवी (56), चंद्र प्रकाश गुप्ता (62), संजय चौरसिया (59), सीता देवी (38), कुमारी शबनम (32) और मनीष गिरि (44) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि घायलों को ऋषिकेश जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि बाकी 18 यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था के जरिए लखीमपुर खीरी में उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।

उर्विल पटेल के तूफान में उड़ी लखनऊ, हार के साथ प्लेऑफ की रेस से हुई बाहर

नई दिल्ली, 10 मई। उर्विल पटेल की ऐतिहासिक पारी (65) की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को अपने होम ग्राउंड पर लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। इस जीत के साथ ही चेन्नई ने प्वाइंट्स टेबल में भी छलांग लगाई है और टीम 5वें नंबर पर पहुंच गई। वहीं लखनऊ हार के बाद आखिरी पायदान पर बनी हुई है। 11 मैच में 8 हार के बाद लखनऊ प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है। जोश इंग्लिस (85) की फिफ्टी की बदौलत एमए चिदम्बरम स्टेडियम में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे। 204 रन के टारगेट को चेन्नई ने 20वें ओवर में 5 विकेट खोकर चेज कर लिया। 204 रन चेज करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने जबरदस्त

शुरूआत दी। हालांकि, मैदान पर नजरें जमा चुके संजू को दिग्वेश राठी ने बोल्ड किया। इसके बाद 3 नंबर पर उतरे उर्विल पटेल ने छक्कों में डील करना शुरू किया। उन्होंने 13 गेंदों पर आईपीएल इतिहास की सबसे तेज फिफ्टी जड़ी और यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की।

उर्विल ने 8 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 23 गेंदों पर 65 रन की पारी खेलकर मैच को एकतरफा कर दिया। उर्विल और रुतुराज के बीच 34 गेंदों पर 81 रन की पार्टनरशिप हुई। शहबाज अहमद ने दोनों बल्लेबाजों का विकेट चटकाया। कप्तान रुतुराज (42) अर्धशतक से चूक गए। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) ने छोटी-छोटी पारियां खेलीं। शिवम दुबे 15 और प्रशांत वीर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरूआत तूफानी रही।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अब अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के ह्लसांस्कृतिक पुनर्जागरणह्व के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में ह्लबंगाली अस्मिताह्व और ह्लहिंदू पहचानह्व के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही है। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। ह्लवंदे मातरमह्व का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि ह्लसांस्कृतिक सुरक्षाह्व स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान ह्लजय श्रीरामह्व जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल ह्लहिंदी बनाम बंगालीह्व के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को ह्लहिंदू पुनर्जागरणह्व कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप ले लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से ह्लअपवादह्व नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक

भारत की साझी संस्कृति के सूत्रधार डॉ. जाकिर हुसैन

-ओंकारेश्वर पांडेय -विनायक फीचर्स

वे इकबाल के सपनों के पूर्ण मुसलमान थे। उनमें अरबों का जन्मजात उत्साह था और ईरानियों का वह कोमल स्वभाव जिसकी दुनिया कायल है। वे निजी मुलाकातों में अत्यंत सौम्य थे, लेकिन कार्यक्षेत्र में सक्रियता की मिसाल। वे उस ओस की बूंद की तरह थे जो गुलाब के दिल की आग को ठंडक पहुँचाती है और उस तूफान की तरह भी, जो समंदर का दिल दहला दे... वे जानते थे कि तूफानों के बीच चिराग को कैसे जलाए रखा जाता है।

ये शब्द किसी कांग्रेसी नेता या उनके किसी करीबी सहयोगी के नहीं, बल्कि भारतीय जनसंघ के तत्कालीन दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी के हैं। आज के दौर में, जहाँ राजनीतिक संवाद अक्सर तीखे और विभाजनकारी होते हैं, एक वैचारिक विरोधी द्वारा दी गई यह भावपूर्ण श्रद्धांजलि डॉ. जाकिर हुसैन के उस विराट व्यक्तित्व का प्रमाण है, जिसने सत्ता की राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र के चरित्र का निर्माण किया। इतिहास भले ही उन्हें भारत के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में याद रखे, लेकिन डॉ. हुसैन की वास्तविक विरासत उनके राष्ट्रपति भवन पहुंचने से बहुत पहले ही लिखी जा चुकी थी। वे मूलतः एक शिक्षक थे, जिनके लिए स्कूल की कक्षाएं राष्ट्र निर्माण की प्राथमिक प्रयोगशालाएं थीं। उनका मानना था, राष्ट्रीय प्रगति का रास्ता स्कूल की इमारतों से होकर गुजरता है। इसी अटूट विश्वास के साथ उन्होंने 1920 में असहयोग आंदोलन के दौरान 'जामिया मिलिया इस्लामिया' की नींव रखी।

उनके नेतृत्व में जामिया केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि 'बौद्धिक संप्रभुता' का एक प्रयोग बन गया। ब्रिटिश सहायता को ठुकराकर और जन-सहयोग पर निर्भर रहकर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय शिक्षा आधुनिक भी हो सकती है और स्वदेशी भी। महात्मा गांधी के साथ मिलकर 'नई तालीम' (बुनियादी शिक्षा) पर उनका काम रटने वाली शिक्षा के विरुद्ध एक क्रांति थी, जिसका उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था। डॉ. जाकिर हुसैन का जीवन 'साझा राष्ट्रवाद' का जीवंत उदाहरण था। सूफी परंपराओं से गहरे जुड़े एक धर्मनिष्ठ मुस्लिम होने के बावजूद, उन्होंने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को बौद्धिक स्तर पर पूरी तरह खारिज कर दिया। 1935 में उन्होंने कहा था इसी देश की मिट्टी से हमारा निर्माण हुआ है और इसी मिट्टी में हमें वापस लौट जाना है।

1947 के विभाजन की त्रासदी के दौरान उनके साथ हुई एक घटना उनके मानवतावाद को रेखांकित करती है। जालंधर रेलवे स्टेशन पर एक उग्र भीड़ ने उन्हें घेर लिया था, लेकिन उनकी जान एक हिंदू सज्जन कुंदन लाल कपूर और एक सिख स्टेशन मास्टर ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचाई। डॉ. हुसैन ने इस घटना को कभी कड़वाहट के रूप में नहीं देखा, बल्कि वे इसे भारतीय समाज की उस 'अविनाशी मानवता' के प्रमाण के रूप में पेश करते रहे, जो सांप्रदायिक नफरत से कहीं अधिक मजबूत है।

डॉ. हुसैन की विद्वता तीन महान धाराओं का संगम थी। जर्मनी से प्राप्त अर्थशास्त्र की डॉक्टरेट, इस्लामी दर्शन का गहन ज्ञान और गांधीवादी मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा। इसी समन्वय ने उन्हें अभिजात वर्ग और हाशिए पर खड़े समाज, दोनों से समान रूप से संवाद करने की शक्ति दी। उन्होंने राष्ट्र को सिखाया कि लोकतंत्र केवल मतदान नहीं, बल्कि एक नैतिक साधना है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेते समय उनके शब्द ह्लसंपूर्ण भारत मेरा घर है और इसके लोग मेरा परिवार हैंह्व आज भी भारतीय संविधान की आत्मा को प्रतिध्वनित करते हैं।

आज के वैश्विक राजनीतिक माहौल में, जहाँ पहचान की राजनीति और सोशल मीडिया के शोर ने समाज को बांट दिया है, डॉ. हुसैन का 'सौम्य प्रभाव' (ह्लढङ्घ...ह्व) एक महत्वपूर्ण विकल्प प्रदान करता है। उन्होंने अपनी धार्मिक पहचान को कभी भी अपनी देशभक्ति के आड़े नहीं आने दिया, और न ही राजनीतिक लाभ के लिए उसका इस्तेमाल किया। वे उस 'मध्यमार्ग' के पथिक थे, जिसकी गुंजाइश आज के विमर्श में सिमटती जा रही है। नके पौत्र सलमान खुर्शीद के शब्द कि ह्लउनके आदर्श हमें विनम्र रहने और ईमानदारी से राष्ट्र की सेवा करने की याद दिलाते हैंह्व आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। हुसैन का जीवन इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र का स्वास्थ्य उसकी संस्थाओं की गरिमा और उसके नेताओं के व्यवहार की शालीनता से मापा जाता है।

3 मई, 1969 को कार्यालय में रहते हुए उनका निधन हो गया। वे भारत के पहले राष्ट्रपति थे जिनका निधन पद पर रहते हुए हुआ। डॉ. जाकिर हुसैन ने केवल उच्च पद को सुशोभित नहीं किया, बल्कि उन्होंने 'भारत' के विचार को और ऊंचा उठाया। एक ऐसा भारत जो बहुलवादी, मानवीय और अपनी विविधता में एकजुट है। आज, जब राष्ट्र आधुनिकता और सामाजिक एकजुटता के बीच संतुलन खोज रहा है, डॉ. हुसैन का 'शिक्षक-राजनेता' वाला मॉडल एक अनिवार्य मार्गदर्शिका है। उनकी विरासत हमें याद दिलाती है कि भारत की असली ताकत नागरिकों की एकरूपता में नहीं, बल्कि एक प्रबुद्ध और साझा भविष्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में निहित है। *(विनायक फीचर्स)*

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी।

भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है ?

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा।

अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर कांटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है।

सच्चाई यह है कि देसी-विदेशी विश्लेषकों को नरेंद्र मोदी और भाजपा का बढ़ता राजनीतिक विस्तार विदेशी वैचारिक प्रतिष्ठानों की सबसे बड़ी बेचैनी बन चुका है। खास कर उन क्षेत्रों में यह जलन ज्यादा है जो 2024 के आम चुनावों में कांग्रेस को मिली थोड़ी राजनीतिक राहत को लेकर उत्साहित चला आरहा था। आज भाजपा अधिकांश राज्यों में प्रत्यक्ष या गठबंधन के जरिए सत्ता में है। ऐसे में भारत को हिन्दू राष्ट्रवादी लोकतंत्र और एकदलीय प्रभुत्व के खांचे में फिट करने की कोशिशें और तेज होती दिख रही हैं। परंतु बंगाल का फैसला यह भी साबित करता है कि भारत का मतदाता अपनी प्राथमिकताएं जमीन, अनुभव और आकांक्षाओं के आधार पर तय कर रहा है, न कि न्यूयॉर्क, लंदन या दोहा में बैठे नैरेटिव निमार्ताओं की वैचारिक दृष्टि के अनुसार।

विदेशी विश्लेषणों में बंगाल के चुनावी परिणाम को हिन्दुत्व के उभार के रंग में रंग दिया। लेकिन वहां की जनता की नाराजगी, आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड ?, सत्ताधारियों की हिंसा, उद्योगों का पलायन जैसे कारणों की अनदेखी कर गया। आज बंगाल पर कर्ज 7.7 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है। हजारों कंपनियां राज्य छोड़ चुकी हैं। युवाओं का बड़ा वर्ग रोजगार के लिए पलायन कर रहा है। महानगरों में घरों में काम करने वाली अधिकतर महिलाएं बंगाली ही निकलती हैं। कट मनी, भर्ती घोटाले और सिंडिकेट संस्कृति जैसे मुद्दे वर्षों से जनता में असंतोष पैदा कर रहे थे। लेकिन देसी-विदेशी विश्लेषक उलझे हैं एसआईआर और बहुसंख्यकवाद के उभार में। इसी दकियानूसी सोच के आधार पर यह तत्व जनता में अप्रासंगिक हो रहे हैं और भाजपा का ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।

दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निदेशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।

सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।

आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकर्ताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर ह्लजीरो टॉलरेंसह्व की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।

बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि

मां की ममता का मार्मिक जादू

10 मई, मदर्स डे। मां को सम?पत एक ही दिन क्यों, हमारे जीवन का हर पल मां की देन है। सभ्यता की शुरूआत से ही मां को हर संस्कृति में पूजा गया। चाहे दुर्गा के रूप में, सरस्वती के रूप में, या धरती माता के रूप में। यहां तो हम अपने देश को भी भारत माता पुकार...

10 मई, मदर्स डे। मां को समर्पित एक ही दिन क्यों, हमारे जीवन का हर पल मां की देन है। सभ्यता की शुरूआत से ही मां को हर संस्कृति में पूजा गया। चाहे दुर्गा के रूप में, सरस्वती के रूप में, या धरती माता के रूप में। यहां तो हम अपने देश को भी भारत माता पुकार गौरवान्वित होते हैं। हम दुनिया के शायद ऐसे पहले लोग हैं, जो अपने देश को ही नहीं, बल्कि अपनी बोली से लेकर नदियों, पौधों और गऊ को भी गौ माता कहते हैं। मां सिर्फ जन्म देने वाली हीं नहीं, बल्कि जो पोषण दे, रक्षा करे, ज्ञान दे, समृद्धि दे, उसे भी मां का दर्जा हासिल है।

वह हाथ जो माथे पर रखा जाता : मुझे जब अपनी मां की यादें आती हैं कि कैसे वह घर में सबसे देर में सोती थी और सबसे पहले जगती थी, घड़ी के अलार्म से नहीं, बल्कि इसलिए कि उनके अंदर परिवार का फिक्र था जो उन्हें ौन से नहीं बैठने देता। किस तरह वह बच्चों के कुछ कहने से पहले ही उनके माथे पर हाथ रखकर बुखार टटोल लेती थी। किस तरह परिवार के प्रति उनकी चिंता कभी शोर नहीं करती थी, बस एक धीमी लौ की तरह हमेशा जलती रहती थी, जिसे उन्होंने कभी बुझने नहीं दिया। मैं अब समझती हूं, यही असली जादू है मां का। ये मांएं कुछ अलग हैं : इस मदर्स डे पर मैं कुछ खास मांओं का जिक्र करना चाहती हूं, जिनके प्रति प्यार किसी ग्रीटिंग कार्ड के जरिए जाहिर नहीं किया जा सकता, ये नारी शक्ति की असल मूर्त हैं, जिन्हें दुनिया ने शायद ही इतने करीब से देखा होगा। कुछ हफ्ते पहले मैं होशियारपुर में ह्लऑटिज्मह्व पीड़ित यानी एक तरह की न्यूरोडिवैल्पमैंटल स्थिति, जो संवाद, सामाजिक व्यवहार और संवेदनाओं को प्रभावित करती है, ऐसे बच्चों के एक स्कूल में गई। मुझे लगा था कि बच्चे भावुक कर देंगे। उन्होंने मुझे किया भी। लेकिन जो बात मेरे मन में घर कर गई, वह मैं अभी तक भूल नहीं पाई, वह थी स्कूल के बाहर इन बच्चों के इंतजार में बैठी मांएं। एक मां सुबह 7 बजे से वहां बैठी थी। उसने बेटे का नाश्ता एक खास टिफिन में रखा, नीला नहीं, बल्कि हरे रंग का, क्योंकि नीला रंग बच्चे को बेचैन कर देता था। सुबह घर से निकलने से पहले बच्चे के साथ स्कूल की दिनचर्या की प्रक्रिया 7 से 8 बार तक दोहराई जाती है। उस मां ने मुझे यह सब शिकायत नहीं की, बल्कि शांत, सहज गर्व से बताया जैसे किसी ने बस अलग तरह से अपने बच्चे से प्यार करना सीख लिया हो। एक और मां ने मुझे बताया कि उसने प्रोजैक्ट मैनेजमैंट का करियर छोड़ा, जिसके लिए उसने जी-तोड़ मेहनत की थी। नौकरी इसलिए छोड़ी कि बेटी को एक ऐसी पूरी-वक्त मौजूदगी चाहिए थी, जो नौकरी के किसी शैड्यूल में फिट नहीं होती। ह्लउसे मेरी जरूरत थी कि मैं ही उसका शैड्यूल बन जाऊं, उस मां ने बस इतना कहा और जमीन की तरफ देख कर मुस्कुराई। मां जिसने नामुमकिन को मुमकिन किया : एक मां की कहानी मुझे याद है, जिसके दिव्यांग बेटे को कई डाक्टरों ने पढे-लिखने में लाचार बताया।

पिरुज अरीज खंबाटा ने 'अशोई-द जोरोएस्ट्रियन आर्ट ऑफ सक्सेस एंड इम्मॉर्टेलिटी' नामक पुस्तक का विमोचन किया

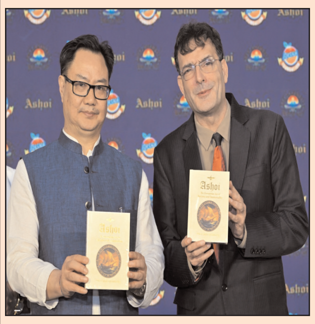

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रसना ग्रुप के चेयरमैन और अरीज खंबाटा बेनेवोलेंट ट्रस्ट और रसना फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी पीरूज अरीज खंबाटा ने अपनी नई किताब अशोई: द जोरोस्ट्रियन आर्ट ऑफ सक्सेस एंड इम्मोरलिटी लॉन्च करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने एक नए एंटरप्रेन्योरशिप फंड का भी अनावरण किया, जिसका उद्देश्य पारसी समुदाय के साथ-साथ अन्य लोगों में बिजनेस, लीडरशिप और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम मुंबई के प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल में आयोजित किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू मौजूद रहे। इस मौके पर राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा, बॉम्बे हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस (सेवानिवृत्त) शाहरुख जे. काथावाला, उदवाडा स्थित ईरानशाह आतश बेहराम के हाई प्रीस्ट वाडा दस्तूर जी खुर्शीद दस्तूर, नेशनल कमीशन फॉर माइनॉरिटीज के सदस्य और मोदी मिशन के लेखक बरजिस देसाई सहित पारसी समुदाय, सामाजिक संगठनों और बिजनेस जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

नई पीढ़ी के लिए संस्कार, संस्कृति और श्रीकृष्ण भक्ति का भव्य सिनेमाई अनुभव

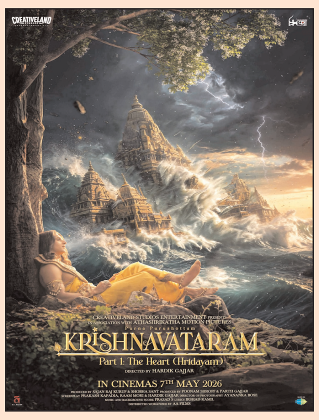

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पौराणिक और सांस्कृतिक फिल्मों के दौर में Krishnavataram Part 1 : The Heart – Hridaya ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। निर्माता Sajjan Raj और निर्देशक Hardik Gajjar की इस भव्य प्रस्तुति को मीडिया, समीक्षकों और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया और गूगल रिव्यूज में लोग इसे भावनाओं, भक्ति और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम बता रहे हैं। फिल्म की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय पौराणिक कथाओं, संस्कारों और श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन से जोड़ने का कार्य भी करती है। भव्य विजुअल्स, प्रभावशाली संगीत और भावनात्मक प्रस्तुति दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव कराती है। कई दर्शकों ने अपने रिव्यू में लिखा कि यह फिल्म परिवार के साथ देखने योग्य है और बच्चों को अपने माता-पिता व दादा-दादी के साथ जरूर देखनी चाहिए, ताकि वे हमारी संस्कृति और परंपराओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। फिल्म के प्रोमो को आध्यात्मिक और संगीत जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भी सराहा है। Sri Sri Ravi Shankar ने फिल्म का प्रोमो देखकर इसकी आध्यात्मिक भावना की प्रशंसा की, वहीं Anup Jalota ने भी फिल्म की भव्यता और भक्ति भाव को सराहा। इसके अलावा दर्शनलाल Ji Maharaj ने भी फिल्म को भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रस्तुति बताया। मीडिया जगत ने फिल्म की प्रस्तुति, तकनीकी गुणवत्ता और भावनात्मक गहराई की जमकर सराहना की है।

क्लियर प्रीमियम वॉटर ने पानी हो तो क्लियर कैंपेन लॉन्च किया

मुंबई। क्लियर प्रीमियम वॉटर ने अपना अब तक का सबसे डिसरप्टिव कैंपेन लॉन्च किया है। पानी हो तो क्लियर नाम के इस कैंपेन में ब्रांड एम्बेसडर ऋतिक रोशन की लोकप्रियता और उनकी सिनेमाई विरासत को केंद्र में रखते हुए एक मजबूत और स्पष्ट संदेश दिया गया है। सात अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा मूल्य वाले और डबल डिजिट ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रहे बोतलबंद पानी के बाजार में पिछले कुछ वर्षों में लुकअलाइक ब्रांड्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। क्लियर प्रीमियम वॉटर के अनुसार, यह मामला अब केवल मार्केटिंग या ब्रांडिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्राहकों के स्वास्थ्य और विश्वास से सीधे जुड़ा मुद्दा बन गया है। इसी वजह से कंपनी ने इस विषय पर खुलकर आवाज उठाने का फैसला किया है। कैंपेन को लेकर ऋतिक रोशन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से मैं क्लियर की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का गवाह रहा हूं। ग्राहकों तक सुरक्षित पीने का पानी पहुंचाने की उनकी असलियत और जुनून काबिल-ए-तारीफ है। ग्राहक सुरक्षा को केंद्र में रखने वाले इस कैंपेन का हिस्सा बनकर मैं खुश हूं। इस कैंपेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें केवल सेलिब्रिटी का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि एक प्रभावशाली रूपक पेश किया गया है। ऋतिक रोशन लंबे समय से भारत के सबसे ज्यादा कॉपी किए जाने वाले स्टार्स में गिने जाते हैं। उनके डांस मूव्स, फिल्मी अंदाज और आइकॉनिक किरदार वर्षों से शादी समारोहों, टैलेंट शो और सोशल मीडिया रील्स में लगातार दोहराए जाते रहे हैं। हालांकि हर नकल आखिरकार असली के सामने कमजोर पड़ जाती है। क्योंकि बाहरी रूप भले एक जैसा लगे, लेकिन सहजता, सटीकता और वर्षों की मेहनत जैसी चीजों की सच्ची नकल संभव नहीं होती। क्लियर प्रीमियम वॉटर इसी संदेश को अपनी प्रोडक्ट क्वालिटी के साथ जोड़ता है। कंपनी का कहना है कि कई लुकअलाइक ब्रांड्स ने क्लियर की बोतल, लेबल डिजाइन और कैप के रंग तक की नकल करने की कोशिश की है, जिससे ग्राहकों के लिए असली और नकली के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। लेकिन प्रोडक्ट के भीतर की गुणवत्ता, सख्त मानक, पूरी तरह ऑटोमेटेड प्रक्रिया और मल्टी-स्टेज प्यूरिफिकेशन जैसी चीजों की नकल संभव नहीं है। क्लियर प्रीमियम वॉटर के फाउंडर और सीईओ नयन शाह ने कहा कि यह कैंपेन प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि ग्राहकों की आवाज उठाने के लिए है। जहां नकल ग्राहकों की समझ को धुंधला बना सकती है, वहां हमारी जिम्मेदारी स्पष्टता वापस लाने की है। पानी के मामले में असलियत कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। पानी हो तो क्लियर टैगलाइन के साथ लॉन्च किए गए इस कैंपेन को केवल ब्रांड प्रॉमिस के रूप में नहीं, बल्कि ग्राहकों के लिए सीधे संदेश के तौर पर पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि इस अभियान के जरिए भारतीय ग्राहकों को ज्यादा जागरूक बनाने, समझदारी से चुनाव करने के लिए प्रेरित करने और असली प्रोडक्ट के प्रति भरोसा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह को तरुण कला संगम पत्रकारिता पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था तरुण कला संगम की तरफ से नवभारत टाइम्स के राजनीतिक संपादक व मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह को पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया गया। चर्चगेट के सम्राट होटल में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, संस्था के अध्यक्ष चित्रसेन सिंह और महासचिव दीपक सिंह के हाथों राजकुमार सिंह को बतौर सम्मान एक लाख रुपए, स्मृति चिन्ह और शाल श्रीफल प्रदान किया गया।

इस मौके पर मंत्री लोढ़ा ने कहा कि 47 साल से सफलतापूर्वक एक संस्था चलाना और पत्रकारिता से जुड़े लोगों को हर साल सम्मानित करना महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल मंत्र तारीफ के साथ आलोचना करना भी है। जब मैं राजनीति में आया तो पहले पत्रकारों से बहुत डरता था पर धीरे धीरे पत्रकारों के करीब आया। तकनीक की दुनिया में भी प्रिंट जिंदा है। खबरों की खबर आज भी अखबारों में ही मिलती है।

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि हिंदी को लेकर विवाद एक पार्टी का राजनीतिक एजेंडा है। मराठी सबको सीखनी चाहिए पर किसी को अपनी मातृ भाषा में बात करने से रोकना भी गलत है। इस शहर में सब मिलजुल कर रहते हैं। हम सब मिलकर मुंबई को विकसित करेंगे।

महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव बी राधा ने कहा मैं दक्षिण भारतीय हूं, पर दिल्ली में पढ़ाई करने की वजह से हिंदी से मेरा भी नाता रहा है। उन्होंने कहा कि

वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह को मैं लंबे समय से जानती हूं। उनकी खबरों में गहराई होती है और हम अधिकारियों को भी यह बात पसंद आती है। हम अधिकारियों को पत्रकारों से पता चलता है कि हमारे काम का लोगों के जीवन पर क्या असर हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक श्रीकांत भारतीय ने कहा कि मैं भी नागपुर में पत्रकार रहा हूं। उन्होंने केरल विधानसभा चुनाव के दौरान का अपना एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहां मेरी मुलाकात एक वरिष्ठ पत्रकार से हुई तो उन्होंने कहा कि अब थ्री पी (पत्रकार, पुलिस और पॉलिटिशियन) की भूमिका में बदलाव आ चुका है। उन्होंने कहा कि राजनीति में यह बात मैं महसूस कर रहा हूं कि संवेदनशीलता कम हो रही है। संस्था के अध्यक्ष चित्रसेन सिंह ने कहा कि 47 सालों से मैं इस तरह का कार्यक्रम कर रहा हूं और इस कार्य में हिंदी पत्रकारिता जगत का हमेशा साथ मिला। समारोह को विधायक संजय उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र द्विवेदी, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, महासचिव विजय सिंह कौशिक, मंत्रालय पत्रकार संघ के कोषाध्यक्ष विनोद यादव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडेय ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, पूर्व नगरसेवक रामबचन मुराई, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान, उद्योगपति राजीव सिंघल, अजय सिंघानिया, निलेश गुप्ता, नवीन पांडे, सुनील मेहरोत्रा, डीपी सिंह, ललित जैन, हरि मृदुल, यूके सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, मनोज दुबे, हरि सिंह राजपुरोहित, अशोक शुक्ला, विजय पांडे, विजय सिंह, ओम प्रकाश पांडे, सूरज पांडे आदि का समावेश रहा। संस्था के संयोजक राधेश्याम मिश्र, अभिषेक सिंह तथा वेदांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया। अंत में संस्था के महासचिव दीपक सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्कॉलर स्कूल का 100 प्रतिशत रिजल्ट, भूमिका गोस्वामी और साक्षी गुप्ता ने 96.80% अंक हासिल कर भिवंडी में बने टॉपर

भूमिका गोस्वामी | साक्षी गुप्ता

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को घोषित हुए एसएससी (दसवीं) परीक्षा परिणाम में भिवंडी की स्कॉलर इंग्लिश मीडियम स्कूल ने एक बार फिर शत-प्रतिशत परिणाम की अपनी परंपरा कायम रखी। स्कूल की छात्राएं भूमिका गोस्वामी और साक्षी गुप्ता ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर भिवंडी शहर में प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल की इस शानदार सफलता पर मुख्याध्यापिका विशाखा सुतार ने सभी सफल विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से यह उल्लेखनीय सफलता संभव हो सकी है। जानकारी के अनुसार इस वर्ष स्कूल के कुल 471 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इनमें से 177 विद्यार्थियों ने उच्च श्रेणी, 176 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 47 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी तथा एक विद्यार्थी ने उत्तीर्ण श्रेणी में सफलता प्राप्त की। स्कूल के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम से विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है।

30 वर्षों की प्रतीक्षा खत्म, महावीर नगर में सड़क और गटर निर्माण कार्य शुरू

शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ और उद्योगपति मंगेश गायकर के हांथो भूमिपूजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पूर्व के खड़ेगोलवली स्थित महावीर नगर के नागरिकों के लिए लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत की खबर सामने आई है। करीब 30 वर्षों से खराब सड़कों, जलभराव और गंदगी की समस्या से जूझ रहे रहवासियों को अब स्थायी समाधान मिलने जा रहा है। क्षेत्र में सड़क के कंक्रीटीकरण और गटर निर्माण कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। कल्याण लोकसभा के सांसद डा. श्रीकांत शिंदे की विशेष निधि से एवं नगरसेवक मधुर उमेश म्हात्रे के निरंतर प्रयासों से यह काम संभव हो पाया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वर्षों से टूटी सड़कें, बरसात में पानी भरने की समस्या

और नालियों की दुरवस्था के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। महावीर नगर और विश्वनगर के नागरिकों ने सांसद डा.श्रीकांत शिंदे और नगरसेवक मधुर उमेश म्हात्रे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विकास कार्य क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा और लोगों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाएगा। स्थानीय स्तर पर इस कार्य को लेकर शिवसेना कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखा जा रहा है।

नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में क्षेत्र की अन्य मूलभूत समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। इस मौके पर शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ और पूर्व उपमहापौर उमेश म्हात्रे, शाखाप्रमुख रितेश राजपूत, शाखा संघटक स्वाती नरवडे, शिवसैनिक संतोष गवते, रवींद्र मगरे, राकेश मिश्रा, शिवा पांडे, बिपिन मिश्रा, कृष्णा काटे, पदम इंदाइज, गौरव सिंग, सचिन तवर, सीए बांगर, उपशाखाप्रमुख अनिल जाधव सहित तमाम नागरिक उपस्थित थे।

मारुति पवार से भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

प्रभाग 129 की नागरिक समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर विधानसभा क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक 129 की विभिन्न नागरिक समस्याओं को लेकर शनिवार को भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने एन विभाग, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहायक आयुक्त मारुति पवार से सदिच्छा मुलाकात कर उनका सम्मान किया। बैठक के दौरान क्षेत्र में व्याप्त स्वच्छता, पानी की आपूर्ति, सड़कों की खराब स्थिति, नालों की सफाई तथा अन्य मूलभूत नागरिक समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने नागरिकों को हो रही परेशानियों से सहायक आयुक्त को अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की।

सहायक आयुक्त मारुति पवार ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए, संबंधित विषयों पर आवश्यक

कार्रवाई करने तथा नागरिकों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक सूर्यकांत गवली सहित अंबादास जी, सनी सिंह,विनायक सिंह और आलोक सिंह उपस्थित रहे। भाजपा घाटकोपर विधानसभा के कार्यकर्ता अशोक यादव ने सहायक आयुक्त मारुति पवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा लगातार प्रयासरत है और आगे भी जनता के हित में कार्य करती रहेगी।

रुणवाल बिल्डर की मनमानी से रहिवासी परेशान, 621 फ्लैटधारकों का पानी रोके जाने का आरोप

छह घंटे से बिल्डर कार्यालय के बाहर धरना, छोटे बच्चों के साथ अन्न-जल त्यागकर प्रदर्शन

कल्याण। एक ओर अपने घर का सपना पूरा होने की खुशी, तो दूसरी ओर मूलभूत सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरने की मजबूरी-ऐसी ही स्थिति का सामना रुणवाल गार्डन सिटी के रहिवासी कर रहे हैं। नामांकित रुणवाल बिल्डर समूह के मनमाने रवैये के खिलाफ स्थानीय रहिवासियों ने अब आक्रामक आंदोलन शुरू कर दिया है।

रहिवासियों का आरोप है कि रुणवाल समूह ने प्राइम रोज म्हाडा को सौंपे गए 621 फ्लैटों में रहने वाले परिवारों का पानी जानबूझकर रोका जा रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, बिल्डर ने नियमानुसार 621 सदनिका (फ्लैट) म्हाडा को हस्तांतरित कर दी हैं। लेकिन इन फ्लैटों में रहने आए मध्यमवर्गीय परिवारों को अब बिल्डर की मनमानी और दबाव का सामना करना पड़ रहा है। रहिवासियों का कहना है कि हक का घर खरीदने के बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधा-पानी-से वंचित रखा जा रहा है। बार-बार शिकायत और विनती के बावजूद बिल्डर प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।

इसी के विरोध में रहिवासी पिछले छह घंटे से बिल्डर के कार्यालय के बाहर छोटे बच्चों के साथ धरने पर बैठे हैं। कई लोगों ने अन्न और पानी का त्याग कर आंदोलन शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि म्हाडा के रहिवासियों के साथ जानबूझकर भेदभाव किया जा रहा है और उन्हें दोयम दर्जे का व्यवहार दिया जा रहा है।

जब रुणवाल गार्डन सिटी प्रबंधन से इस विषय पर बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने मीडिया से बात करने से इनकार करते हुए कहा कि वे इस मामले में सीधे रहिवासियों से ही चर्चा करेंगे। संतप्त रहिवासियों ने सवाल उठाया, जब हमने अपना हक का घर खरीदा है, तो हमें पानी जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित क्यों रखा जा रहा है? रहिवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति सुचारू नहीं की गई, तो रुणवाल बिल्डर के खिलाफ आंदोलन और अधिक तीव्र किया जाएगा।

पंडित श्यामनाथ शर्मा द्वारा 17 महीने से अनवरत मुफ्त योगा शिविर का असंख्य लोग उठा रहे लाभ

भिवंडी। आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में जहां लोग स्वास्थ्य के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं, वहीं भिवंडी के अशोक नगर स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर अशोकनगर में पिछले 17 महीनों से एक अनोखी मिसाल कायम की जा रही है। पावरलूम व्यवसाय से जुड़े और भजन गायक पंडित श्यामनाथ शर्मा प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर लोगों को स्वस्थ जीवन का संदेश दे रहे हैं। 1 नवंबर 2024 से शुरू हुआ यह योग अभियान आज इलाके के लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। रोज सुबह 6:45 बजे से 8 बजे तक चलने वाले इस योग सत्र में अशोक नगर, मानसरोवर, कल्याण रोड, टेमघर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। खास बात यह है कि इसमें युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी उत्साह के साथ भाग लेते हैं। पंडित श्यामनाथ शर्मा का कहना है कि इच्छाशक्ति ही सुख निरोगी काया के उद्देश्य से उन्होंने यह सेवा शुरू की थी और पिछले 17 महीनों में एक भी दिन अवकाश नहीं लिया। उनका मानना है कि जब हृदय 24 घंटे बिना रुके काम करता है तो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना व्यायाम भी जरूरी है। योगासन के दौरान भजनों की मधुर धुन वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है। सत्र के अंत में प्रतिदिन 108 बार राम नाम की ताली और 12 सूर्य नमस्कार कराए जाते हैं। नियमित योग करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें शुगर, ब्लड प्रेशर, थायरॉयड और मोटापे जैसी समस्याओं में काफी राहत मिली है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह योग क्लास अब सिर्फ व्यायाम तक सीमित नहीं रही, बल्कि लोगों के बीच सकारात्मक ऊर्जा और सामाजिक जुड़ाव का केंद्र बन गई है। पंडित शर्मा ने शहरवासियों से भी इस निःशुल्क योग सेवा से जुड़कर स्वस्थ जीवन अपनाने की अपील की है।

मुंबई कॉमिक कॉन ने इस वीकेंड से शानदार और आधिकारिक शुरूआत कर दी है

मुंबई। शहर का वीकेंड उत्साह चरम पर पहुंच गया, क्योंकि मुंबई कॉमिक कॉन ने शानदार वापसी की है। मारुति सुजुकी एरिना द्वारा प्रस्तुत, क्रंचीरोल के सहयोग से तथा महाराष्ट्र सरकार के उद्योग विभाग और मैत्री (महाराष्ट्र इंडस्ट्री, ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेल) के समर्थन से आयोजित यह विशेष आयोजन बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पॉप कल्चर के सबसे बड़े उत्सव को फिर से जीवंत कर रहा है। पहले दिन की शुरुआत फैंस के जोश, नारों और उत्साहपूर्ण माहौल के साथ हुई, क्योंकि पॉप कल्चर के इस बहुप्रतीक्षित वीकेंड का अनुभव लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। दिन के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक था इंडसवर्स के सहयोग से प्रस्तुत लोककथाओं पर आधारित थ्रिलर व्वाना का अनावरण। इस दौरान सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, एकता आर कपूर और अरुणाभ कुमार मौजूद रहे।

ग्लोबल और भारतीय क्रिएटर्स के विभिन्न बूथ्स पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां फैंस ने आर्ट और स्टोरीटेलिंग के जरिए एक-दूसरे से जुड़ाव महसूस किया। द अमेजिंग स्पाइडर-मैन, ऑल-न्यू हॉकआई और स्टिलवॉटर के लिए प्रसिद्ध इंटरनेशनल गेस्ट रामोन के. पेरेज ने फैंस से बातचीत की और अभिजीत किनी के साथ क्रिएटर्स अक्रॉस द वर्ल्ड पैनल में अपने अनुभव साझा किए। पिछले साल मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद, आइकॉनिक एनिमेटेड सीरीज SWAT Kats के क्रिएटर्स यवोन और क्रिश्चियन ट्रेम्ब्ले लगातार दूसरे साल भारत लौटे और अपने फैंस से मुलाकात की।

ब्रिटिश आर्टिस्ट हैरी हैम्बली, जो अपने Ketnipz इंस्टाग्राम पेज के लिए काफी मशहूर हैं, ने भी आज के पैनल सेशन के दौरान दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बीन नाम के प्यारे पिंक कैरेक्टर के क्रिएटर के रूप में, रोजमर्रा की भावनाओं को सरल, मजेदार और रिलेटेबल कॉमिक्स के जरिए प्रस्तुत करने वाले हैरी को ऑनलाइन दुनिया में जबरदस्त लोकप्रियता मिली है।

इस साल का मुंबई एडिशन एनीमे प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं रहा। Solo Leveling पैनल में सुंग जिनवू की जापानी आवाज देने वाले ताइतो बान, प्रोड्यूसर अत्सुशी कानेको और हिंदी आवाज देने वाले राजेश शुक्ला शामिल हुए। इन तीनों ने अपने अनुभव साझा किए और बाद में क्रंचीरोल बूथ पर फैंस से बातचीत कर एनीमे प्रेमियों के लिए यादगार अनुभव बनाया।

उत्साह को और बढ़ाते हुए, एनीमे थीम सिंगर हिरोशी कितादानी ने स्टेज पर लोकप्रिय एनीमे गानों की प्रस्तुति दी, जिसमें आइकॉनिक One Piece ओपनिंग सॉन्ग ही Are!" विशेष आकर्षण रहा। एनीमे क्रेज को आगे बढ़ाते हुए, एनीमे म्यूजिक के लिए प्रसिद्ध जापानी डीजे काजू मुंबई कॉमिक कॉन के दूसरे दिन प्रस्तुति देने वाले हैं।

कॉमिक कॉन वैरायटी वॉल्ट ने इंटरैक्टिव क्राउड मोमेंट्स और स्पॉन्टेनियस कॉमिडी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। 'Ek Ladi Pav' ने अपने सिग्नेचर अनस्क्रिप्टेड बैंटर को लाइव शो में बदलते हुए सिद्धार्थ शेट्टी और तुषार पुजारी के साथ मुंबई की लाइफ, नॉस्टेल्जिया और रोजमर्रा की अफरा-तफरी पर मजेदार अंदाज में प्रस्तुति दी। वहीं, उभरते मुंबई रैपर 99Side (यश डांडगे) ने हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि भारत के शुरुआती ग्रैफिटी आर्टिस्ट्स में शामिल मूज ने रियल टाइम में लाइव ग्रैफिटी आर्टवर्क बनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। इस साल मुंबई एडिशन में खास दूसरे पैनल स्टेज की शुरुआत की गई।

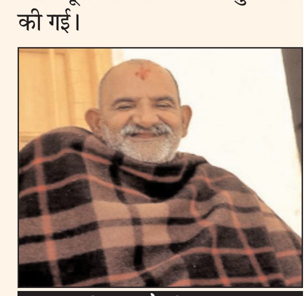
नीम करोली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीडीए समाज की सभी जातियों को सम्मानजनक हिस्सेदारी देंगे अखिलेश यादव: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की सामाजिक चेतना अब जनआंदोलन का रूप ले चुकी है और आने वाले समय में अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश की राजनीति सामाजिक न्याय के नए अध्याय लिखेगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा सामाजिक न्याय, बराबरी, भाईचारे और संविधान की मूल भावना पर आधारित रही है। पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि वंचित, शोषित, किसान, नौजवान, मजदूर, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और गरीब सवर्ण समाज की आवाज बन चुका है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनने वाली सरकार में पीडीए समाज की सभी जातियों को उनकी जनसंख्या, क्षमता और सामाजिक

भागीदारी के अनुसार सम्मानजनक हिस्सेदारी दी जाएगी। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, प्रशासन और राजनीति के हर क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे।

उन्होंने भाजपा सरकार पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज प्रदेश का नौजवान बेरोजगारी, किसान आर्थिक संकट, व्यापारी महंगाई और आम जनता अन्याय से परेशान है, जबकि समाजवादी पार्टी समाज को जोड़ने, संविधान बचाने और लोकतंत्र मजबूत करने की राजनीति करती है।

उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता नफरत और विभाजन की राजनीति को नकारते हुए सामाजिक न्याय, विकास और भाईचारे की राजनीति को समर्थन देगी तथा समाजवादी गठबंधन भारी बहुमत से सरकार बनाएगा। अंत में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और गली-गली जाकर पीडीए की विचारधारा एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ताड़ीघाट-डीडीयू पैसेंजर ट्रेन में युवक की गोली मारकर हत्या

चंदौली (उत्तरशक्ति)। डीडीयू-ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब बदमाशों ने चलती ट्रेन में एक युवक की बेहद करीब से गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद हमलावर शव को ट्रेन से नीचे फेंककर फरार हो गए। घटना के बाद कोच में अफरा-तफरी मच गई और दहशत में यात्री अपनी सीट छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। डीडीयू जंक्शन से सुबह लगभग 7:30 बजे खुलने वाली ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में दो संदिग्ध युवक पिट्ठू बैग लेकर सवार हुए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन जैसे ही अलीनगर क्षेत्र पार करते हुए सकलडीहा की ओर बढ़ी, तभी कोच में पहले तेज बहस की आवाज सुनाई दी। इसके कुछ ही क्षण बाद गोली चलने की तेज आवाज से पूरा डिब्बा दहल उठा। यात्रियों ने देखा कि एक युवक लहूलुहान होकर सीट के पास गिर पड़ा। बदमाशों ने युवक की कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मारी। इससे पहले कि यात्री कुछ समझ पाते, दोनों हमलावरों ने घायल युवक को संभलने का मौका नहीं दिया और उसका शव चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। घटना के बाद ट्रेन में चीख-पुकार मच गई। कुछ यात्री भय के कारण सीटों पर दुबके रहे, जबकि कई लोग दूसरे डिब्बों की ओर भागने लगे। बताया गया कि सकलडीहा क्षेत्र में ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही दोनों बदमाश अंधेरे और ग्रामीण इलाके का फायदा उठाकर ट्रेन से कूद गए और फरार हो गए। घटना की सूचना यात्रियों ने तत्काल रेलवे कंट्रोल रूम और पुलिस को दी। इसके बाद जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई।

रेलवे ट्रैक किनारे युवक का शव बरामद किया गया। शव जहां मिला, उसके एक ओर इब्राहिमपुर गांव है, जो सदर कोतवाली क्षेत्र में आता है, जबकि दूसरी ओर दरियापुर गांव सकलडीहा थाना क्षेत्र में पड़ता है।

वहीं कुछमन रेलवे स्टेशन अलीनगर थाना क्षेत्र में स्थित है। घटना के बाद तीनों थाना क्षेत्रों की पुलिस मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से जांच शुरू की गई। पुलिस ने आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन दोपहर तक बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका। मृत युवक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। जीआरपी ने ट्रेन में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या पुरानी रंजिश, आपसी विवाद या किसी अन्य कारण से की गई। सीओ सकलडीहा कृष्ण मुरारी शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो युवक डीडीयू जंक्शन से ट्रेन में सवार हुए थे। घटना की जांच जीआरपी के साथ स्थानीय पुलिस कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज और यात्रियों से मिली जानकारी के आधार पर बदमाशों की तलाश तेज कर दी गई है।

500 बेडेड मल्टी सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय का हुआ भूमि पूजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कबीर चौरा स्थित शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय जो वर्तमान मे.316 बेड का है उसकी जगह 500 बेडेड मल्टी सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय का नव निर्माण होगा।

शहर दक्षिणी विधायक व पूर्व मंत्री डॉ.नीलकंठ तिवारी के नेतृत्व में मातृशक्ति द्वारा रविवार को पूर्वान्ह 9 बजे पुरे विधि विधान के साथ इस 500 बेडेड मल्टी सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया।

एक छत के नीचे मरीजों को मिलेंगी सारी अत्याधुनिक सुविधाएं, मिलेंगी एम्स जैसी सुविधाएँ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 अप्रैल को, इस मल्टी सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय का शिलान्यास किया गया था? क यहां दिल, दिमाग और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज मात्र 1 रुपये में होगा। 8 मंजिला इस हाईटेक अस्पताल में 47 आईसीयू बेड और आधुनिक लैब होंगी, जिससे बीएचयू पर मरीजों का बोझ कम होगा और पूर्वांचल को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर शहर दक्षिणी विधायक व पूर्व मंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 315.48 करोड़ की लागत से बनने वाले इस 500 बेडेड सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय के भवन निर्माण में दो मुख्य भवन होंगे। एक चिकित्सालय का होगा जी प्लस 8 जिसमें बी1, बी2 दो बेसमेंट होंगे और दुसरा जो भवन होगा वो आवासीय जी प्लस 14 का होगा। बताया कि प्रस्तावित नये चिकित्सालय के बेसमेंट बी1, बी2 में बनने वाली स्टेक पार्किंग में कुल 600 फोर व्हीलर और टू व्हीलर रखे जा सकेंगे। बताया कि इसकी कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग उत्तर प्रदेश है। विधायक ने कहा कि

यह अस्पताल न केवल वाराणसी, बल्कि पूर्वांचल, बिहार, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के करोड़ों लोगों के लिए वरदान साबित होगा. अक्सर गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बीएचयू के चक्कर काटने पड़ते थे, जहां मरीजों का भारी दबाव रहता है. अब इस नए सेंटर के आने से स्वास्थ्य सुविधाओं का भार बंट जाएगा और लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा।

विधायक डॉ.नीलकंठ तिवारी ने कहा कि नये चिकित्सालय में सीएसएसडी अर्थात सेंट्रल स्टरलाइज्ड सप्लाई डिपार्टमेंट केंद्रीय रोगाणुहीन सेवा विभाग के द्वारा चिकित्सालय सामान को रोगाणुहीन करते हुएं वितरित किया जाएगा। नये चिकित्सालय में ओपीडी, आईपीडी, प्राइवेट वार्ड, प्रिजनर वार्ड, मोर्चरी, आइसोलेशन वार्ड, पैलेटिव केयर वार्ड, लॉन्ड्री, किचन, केफेटेरिया, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, ब्लड बैंक, स्किल्ड लैब, बर्न वार्ड 14 बेड, डे केयर 15 बेड, डायलिसिस 20 बेड, एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र 30 बेड, आपरेशन थियेटर 4, इमेरजैंसी ओटी 1, आईसीयू 47 बेड का होगा। इसके अलावा सर्जरी, मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, आर्थो का ओपीडी/ वार्ड रहेगा। बताया कि इस चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी, फैमिली मेडिसिन, पीएसी, डेंटल, आयुष, जिरियाट्रिक मेडिसिन, न्यूट्रीशन, एनसीडी क्लिनिक,

315.48 करोड़ की लागत से बनने वाले इस चिकित्सालय का पीएम मोदी ने 28 अप्रैल को किया था शिलान्यास

मानसिक रोग, डरमोटोलाजसिस्ट ओपीडी रहेगी। बताया कि इस सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय में कार्डियोलॉजी, एंजियोप्लास्टी, गेस्ट्रोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, आर्थोलॉजी आदि की सुविधाए उपलब्ध रहेंगी।

इस अवसर पर सी.एम.ओ., सी.एम.एस, जगदीश त्रिपाठी, आत्मा विश्वेश्वर, डॉ रचना अग्रवाल, साधना वेदांती, आलोक श्रीवास्तव, बबलू सेठ, राजीव सिंह डब्बू, तारकेश्वर गुप्ता बंटी, डा.पवन शुक्ला,संदीप चतुवेर्दी, पार्षद गण संजय केशरी, संतोष सोलापुरकर, श्रवण गुप्ता, अभिजीत भारद्वाज, इंद्रेश सिंह, अक्षयबर सिंह, नलिन नयन मिश्र, कनकलता मिश्र, गोपाल जी गुप्ता सहित मंडलीय चिकित्सालय के डाक्टर व स्टाफ, क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

अवैध वसूली और लापरवाही के आरोप में बिजली विभाग के जेई निलंबित

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के ग्राम भुवना बुजुर्ग में आयोजित जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग के अवर अभियंता ब्रजेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के निर्देश पर की गई।

जानकारी के अनुसार जन चौपाल के दौरान जिलाधिकारी गांव का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान गांव के पास एलटी लाइन का तार टूटा मिला, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद लाइन की मरम्मत नहीं कराई गई।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र

अमुआरी नरायनपुर पर तैनात अवर अभियंता ब्रजेश कुमार विद्युत चेकिंग के नाम पर वैध उपभोक्ताओं को परेशान करते थे, जबकि कटिया धारकों से अवैध वसूली की जाती थी।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत घनश्याम को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जांच रिपोर्ट एवं मंडल कार्यालय की संस्तुति पर मुख्य अभियंता (वितरण) से अनुमोदन मिलने के बाद अवर अभियंता को प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचार का दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में उन्हें विद्युत वितरण खंड, आजमगढ़ के खंडीय कार्यालय से संबद्ध किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

'पब्लिक एप' के नाम पर आया संदिग्ध कॉल, सतर्कता से बचा संभावित साइबर फ्रॉड

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच मंगलवार को मेरे साथ भी एक संदिग्ध घटना घटी, जिसने डिजिटल सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। एक अनजान नंबर से मेरे मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाली महिला ने अपना नाम 'निधि' बताते हुए कहा कि वह 'पब्लिक एप' से बोल रही है।

महिला ने मुझसे पूछा कि क्या मैं पब्लिक एप पर वीडियो अपलोड करता हूं। मेरे 'हां' कहने पर उसने अगला सवाल किया कि क्या मैं अपने खुद के यूट्यूब चैनल के वीडियो भी वहां अपलोड करता हूं। इस पर भी मैंने हां में जवाब दिया। इसके बाद महिला ने मुझसे मेरे यूट्यूब चैनल का लिंक उपलब्ध कराने को कहा। उसने कहा कि वह मेरे चैनल को पब्लिक एप से लिंक कर देगी, जिससे मेरे वीडियो पर ज्यादा व्यूज आएंगे और सब्सक्राइबर भी तेजी से बढ़ेंगे। शुरूआत में यह बातचीत सामान्य लगी, लेकिन जैसे ही उसने चैनल लिंक साझा करने का दबाव बनाया, मुझे मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। साइबर ठगी की लगातार सामने आ रही घटनाओं को ध्यान में रखते हुए मैंने सतर्कता दिखाई और बिना कोई जानकारी साझा किए तुरंत उस नंबर को ब्लॉक कर दिया।

इस घटना के बाद मन में यह सवाल उठा कि कहीं यह साइबर फ्रॉड का कोई नया तरीका तो नहीं, जिसमें लोगों को व्यूज और सब्सक्राइबर बढ़ाने का लालच देकर उनकी डिजिटल जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती हो।

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी अनजान कॉलर को अपने सोशल मीडिया या यूट्यूब चैनल की जानकारी देने से पहले उसकी आधिकारिक पहचान की पुष्टि अवश्य करनी चाहिए। थोड़ी सी लापरवाही डिजिटल सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। मेरी सभी कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अपील है कि इस तरह के संदिग्ध कॉल्स से सतर्क रहें और किसी भी लालच में आकर अपनी जानकारी साझा न करें। समय रहते दिखाई गई सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

राजपूत सेवा समिति द्वारा एंकर सलमान शेख सम्मानित

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर राजपूत सेवा समिति द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में

◆ महाराणा प्रताप जयंती समारोह में मिला सम्मान

जनपद जौनपुर के प्रसिद्ध एंकर सलमान शेख को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सफल निर्देशन एवं संचालन करने पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री महेंद्र सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह तथा पूर्व सांसद केपी सिंह ने सलमान शेख, उनके छोटे भाई प्रद्युमन एवं पूरी टीम को सम्मानित किया।

इस अवसर पर सलमान शेख ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व की बात है और वह इसे पूरी टीम की मेहनत एवं जनपदवासियों के स्नेह का परिणाम मानते हैं। उन्होंने कार्यक्रम आयोजकों एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया। बड़ी संख्या में समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। महाराणा प्रताप के शौर्य और बलिदान को याद करते हुए वक्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया।

वाराणसी को योगी कैबिनेट में मिला एक और प्रतिनिधित्व, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा बने राज्यमंत्री

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में रविवार को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में वाराणसी को एक और बड़ी राजनीतिक सौगात मिली। वाराणसी से जुड़े भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। जनभवन (राज्यपाल निवास) में आयोजित समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। मंत्रिमंडल विस्तार में कुल आठ नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें भूपेन्द्र चौधरी, सोमेन्द्र तोमर, अजीत पाल, हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर, कृष्णा पासवान और मनोज पाण्डेय शामिल हैं। वहीं सोमेन्द्र तोमर और अजीत पाल को प्रमोशन मिला है। एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा के मंत्री बनने से वाराणसी का राजनीतिक प्रतिनिधित्व योगी सरकार में और मजबूत हुआ है। इससे पहले वाराणसी से अनिल राजभर कैबिनेट मंत्री हैं, जबकि रविन्द्र जायसवाल और दयाशंकर मिश्र राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के तौर पर सरकार में अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके अलावा सिंधोरा निवासी ओम प्रकाश राजभर भी योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। हालांकि वह वाराणसी की किसी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि गाजीपुर जिले की जहूराबाद विधानसभा से विधायक हैं। इसके अलावा सिंधोरा निवासी ओम प्रकाश राजभर भी योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। हालांकि वह वाराणसी की किसी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि गाजीपुर जिले की जहूराबाद विधानसभा से विधायक हैं।

मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वालों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगे वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त अभियान चलाया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर के प्रमुख चौराहों एवं व्यस्त मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विशेष रूप से उन बुलेट मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिन्होंने कंपनी द्वारा निर्धारित मानक साइलेंसर हटाकर तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रखे थे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे साइलेंसरों से निकलने वाली तेज और कर्कश आवाज आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनती है तथा ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देती है। सघन चेकिंग के दौरान कुल 5 दोपहिया वाहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनका मौके पर ही चालान किया गया। एआरटीओ (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह ने वाहन स्वामियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मानक के विपरीत साइलेंसर लगवाना मोटर वाहन अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि सड़क पर शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा और दोबारा नियम तोड़ते पाए जाने पर वाहन सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान में प्रमोद कुमार यात्री/मालकर अधिकारी भी मौजूद रहे।

अलफारूक पब्लिक स्कूल में मदर्स डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

सुईथाकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र स्थित अलफारूक पब्लिक स्कूल में रविवार को मदर्स डे के अवसर पर ह्लमेरी प्रेरणा मेरी मांह्व थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने माताओं के सम्मान में स्वागत गीत, समूह नृत्य, कविता एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर अभिभावक भावुक हो उठे। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी माताओं को ग्रीटिंग कार्ड भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय परिसर तालियों की गूंज और उत्साह से सराबोर रहा।

विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल कनीज फातमा ने अपने संबोधन में कहा कि मां बच्चों

के जीवन की पहली शिक्षक और सबसे बड़ी प्रेरणा होती हैं। उन्होंने बच्चों को माता-पिता का सम्मान करने और उनके आदर्शों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, अनुशासन एवं पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं साधना सिंह, माला सिंह, दीक्षा सिंह, मरियम खान, शफक खान, जेबा खान, सबीहा खान, माहिरा खान, मिस्बा खान, राफिया खान, अमृता यादव, संजू यादव तथा शिक्षक सुधीश कुमार सिंह, पवन कुमार, बसंत कुमार मिश्रा एवं जमीर अहमद आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सपा के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री मौलाना जावेद आब्दी का जौनपुर पहुंचने पर सपा कार्यकताओं ने किया स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के बारादुअरिया स्थित जिला सचिव मीर अफरोज हुसैनी के आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान मौलाना जावेद आब्दी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस तरह से लोकतंत्र की हत्या कर खुलेआम वोटो की लूट कर भाजपा ने ममता बनर्जी को हरा कर सरकार बनाई है वह देश की जनता ने देखा है और उनके मंसूबे को कभी भी समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में कभी पूरा होने नहीं देगी।

मौलाना जावेद आब्दी ने कहा कि जीत के नशे में भाजपा के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी ने जिस तरह से मुसलमान को टारगेट करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल को गाजा बना देंगे या एक भारत के लोकतांत्रिक देश के लिए घातक है ।उनके इस बयान की जितनी निंदा की जाये कम है। इस पर पूरे देश में मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए ।नफरत की आग में यह लोग ये लोग ऐसा बयान देंगे हम लोगों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि यह देश गांधी के विचारधारा से चलता है ना कि

गोडसे की विचारधारा से ऐसे में जो गोडसे की विचारधारा के लिए काम करते हैं उनसे यही उम्मीद की जा सकती है । चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा व महिलाओं पर खास तौर अत्याचार हो रहे हैं वह पूरी दुनिया देख रही है । मौलाना जावेद ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपनी चुनावी रणनीति व पीडीए के तहत अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रही है और 2027 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने का काम करेगी, क्योंकि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में जिस तरह से अराजकता का माहौल है हिंदू मुस्लिम करके लोगों को बांटने का काम किया जा रहा है, कानून व्यवस्था पूरी तरह सेध्वस्त है, बेरोजगारी चरम पर है और भ्रष्टाचार का बोलबाला है ऐसे में अब लोगों की उम्मीद अखिलेश यादव की ओर टिकी हुई है हाल ही में तमिलनाडु में डीएमके से कांग्रेस के अलग होने पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में कुछ कमियां रह गई थी उसे आने वाले दिनों में सभी दल के नेता लोग बैठकर मसले को हल कर लेंगे और वह दिन दूर नहीं जब बीजेपी की सरकार को प्रदेश व देश से हटाने में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए समाजवादी पार्टी व कांग्रेस का गठबंधन जारी रहेगा ऐसा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का वादा है। इससे पूर्व समाजवादी पार्टी के जिला सचिव मीर अफरोज हुसैनी , आरिफ हबीब, अली मंजर डेजी व अन्य कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री जावेद आब्दी का अंगवस्त्रम माल्यार्पण करके जोरदार स्वागत किया। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की पूरी टीम ने भी पूर्व मंत्री जावेद आब्दी का भी स्वागत किया।

रामपुर खुर्द के वैवाहिक समारोह में जुटे सपा के दिग्गज नेता

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम

रामपुर खुर्द में अधिवक्ता नीतीश कुमार यादव के यहां उनकी बहन के वैवाहिक समारोह का आयोजन अत्यंत भव्यता एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ एवं दिग्गज नेताओं की उपस्थिति क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। नेताओं ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए परिवार की सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रागिनी सोनकर विधायक मछलीशहर तथा तूफानी सरोज विधायक केराकत उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने परिवारजनों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं और क्षेत्रीय लोगों से आत्मीय संवाद किया। इसके अलावा लाल बहादुर यादव, रविन्द्र यादव, अजय राजन यादव, संजय सरोज, डॉ. अमर बहादुर, राजनरायन बिंद एवं युवा समाजवादी नेताविशाल यादव सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। ग्रामीणों एवं समर्थकों में अपने प्रिय नेताओं को निकट से देखने और उनसे मुलाकात करने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। पूरे समारोह में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे एवं पारिवारिक अपनत्व का वातावरण बना रहा।

उपस्थित नेताओं ने कहा कि ऐसे सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और एकता को मजबूत करते हैं। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने भी कार्यक्रम की भव्यता एवं व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आयोजक परिवार को शुभकामनाएं दीं। समारोह देर रात तक हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में चलता रहा।

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN
2026- 27
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
80094 80093
असिस्टेंट मैनेजर
मो० राफे शमीम
(M.B.A)
निकट- करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

मो. 7897031065, 9889373010
लालमनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर
स्थान- मेडिकल कॉलेज के सामने, सिद्दीकपुर, जौनपुर.
हमारे अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. दिलीप कुमार सरोज
MBBS-M.S. ORTHO
हड्डी रोग विशेषज्ञ • On Call
डॉ. चंचला मिश्रा
MBBS-M.S.
स्त्रीरोग विशेषज्ञ • सुबह 10 से शाम 4 तक
डॉ. दिनेश कुमार
MBBS.MD. (GENERAL MEDICINE)
IMS - BHU 24 घण्टे
डॉ. प्रभाकर उपाध्याय
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. सुनील दुबे
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. अरविन्द कुमार यादव
MBBS-M.D.
बाल रोग विशेषज्ञ • प्रतिदिन
उपलब्ध सुविधाए-
• OT (MODULAR OT)
• VENTILATOR
• DIGITAL X-RAY
• PATHOLOGY
• ICU
• ABG
• BiPAP
• ECG

ISO 9001: 2015 CERTIFIED
आशीर्वाद हॉस्पिटल
डा. विनोद कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो सर्जन)
ट्रामा एण्ड ज्वाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
दूरबीन (Arthroscopy) विधि द्वारा Ligament Repair (ACL, PCL, Etc.) की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत समस्त रोगों का नि:शुल्क इलाज
Policetechnical Chauraha, Jaunpur
9415287571, 8953320461
9838639567, 7839059070
जनपद का प्रथम जापानी तकनीकी से निर्मित अध्यायुविक IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) सेन्टर
ASHIRWAD IVF
& FERTILITY CENTER
Embrace Your Life's Most Precious Gift
डा. अन्जू कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस.कन्सलटेन्ट आब्सटेट्रिक्स &
गायनकोलोजिस्ट एण्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट
इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पता : पालिटेक्निक चौराहा, जौनपुर

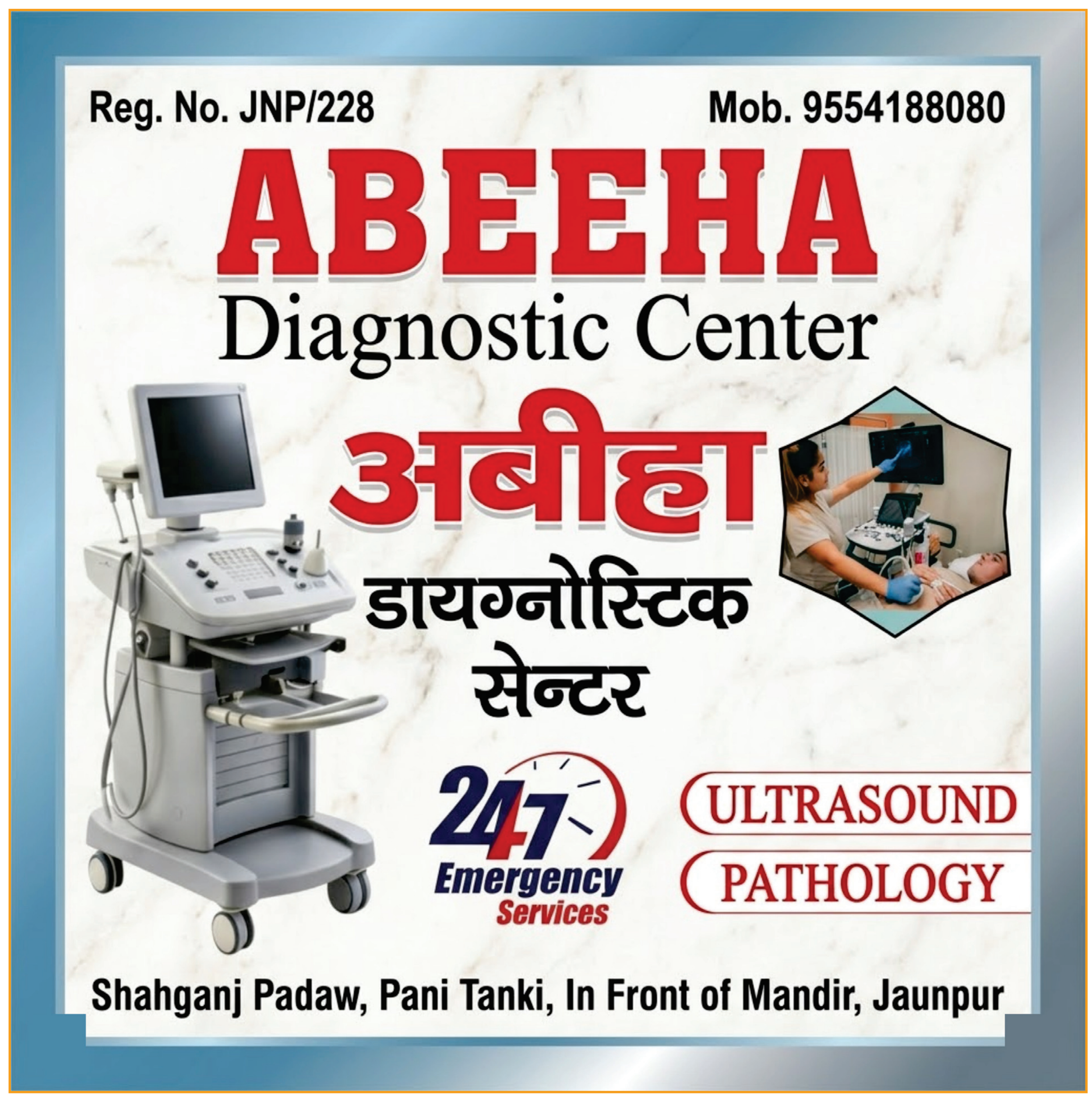
Reg. No. JNP/228
Mob. 9554188080
ABEEHA
Diagnostic Center
अबीहा
डायग्नोस्टिक सेन्टर
24/7 Emergency Services
ULTRASOUND
PATHOLOGY
Shahganj Padaw, Pani Tanki, In Front of Mandir, Jaunpur

EDEN PUBLIC SCHOOL
C.B.S.E. AFFILIATED (10+2) ENGLISH MEDIUM
Nursery to IX & XI Science, Commerce & Art
नूरजहाँ गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल
2026-27 ADMISSION OPEN
Founder/Chairmain
Pervez Alam (Bhutto)
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

नया सत्र
Educate A Girl....
Educate A Family....
Best Educationist Award by Deputy CM Shri Brajesh Pathak
मॉडर्न कान्वेंट स्कूल
कक्षा- नर्सरी से 11 तक
अंग्रेज़ी माध्यम
Established Since 1999
With good quality of education
E-mail: modernconventschool007@gmail.com
www.mcsshools.com
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
7518714123
8960117268
7007016231
प्रबंधक
डॉ० आबिद खान
निकट- हबीब हॉस्पिटल के पास खेतसाराय, जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर
डा० नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा० शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
फ्रैक्चर, गठिया, कमर दर्द ऑर्थराइटिस, कूल्हाघुटना प्रत्यारोपण इत्यादि रोगों का इलाज
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन ट्यूमर का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा बच्चे की जाँच नार्मल डिलीवरी इत्यादि रोगों का इलाज किया जाता है।
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड जौनपुर (उ०प्र०) 6390303050

TSMH
त्रिभुवन सिंह मेमोरियल
हॉस्पिटल
डा० जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)
हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
डा० स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद
पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ
नवजात शिशु का आई.सी.यू. एक्सरे, ई.सी.जी. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
नवजात शिशु, हाई रिस्क ओपीडी (प्रत्येक शनिवार) अत्यन्त अल्पविकसित नवजात व गम्भीर स्थिति से भर्ती नवजात के मानसिक एवं शारीरिक विकास का आकलन व उपचार।
अल्पविकसित नवजात शिशु को एक बार अवश्य दिखाएं।
वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी नसों में शूनपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाइटिस बी., ल्यूकोरिया खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।
आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्कों का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर 05452-356274, 7992031213, 9026551423
@TribhuvanSinghMemorialHospital

Affiliation Code- 2134064
2026-27 ADMISSION OPEN
Schooll Code- 72085
NEW DELHI PUBLIC SCHOOL
Shaping Generations
NURSERY ONWARDS
Affiliated to CBSE New Delhi
LEARNING BY DOING
Our Facilities
Qualified Teachers
Group Activities
Quality Education
Creative Learning
YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION
Mob.: 9170993826, 7269081017
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

Reg.No.- CMEE2134134
SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल
A Unit of Salvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे NH-56) से 400 मीटर दूरी पर
ECHS
प्रतीक श्रीवास्तव
डा. विवेक श्रीवास्तव
डा. प्रियंका श्रीवास्तव
डा. अमित कुमार गौरव
डा. संदीप राय
डा. संतोष कुमार मौर्य
डा. उज्ज्वला
Feilposnia in Ots & Gyana
Fellbeship in Dielysis
Meirber of Indian Medical Association
सुविधाएँ-
वेन्टीलेटर वाईपैप की सुविधा
ICU भर्ती उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड, एक्स-रे
पैथोलॉजी/ ECG
हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
दांतो की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
TPA/Insurance Company के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।
परामर्श हेतु संपर्क करें- 9138828283, 8686867547, 7742913338
www.thesalvationhospital.com salvationhospital@gmail.com Salvationhospital
24/7 Emergency Services
नोट- डी.एम.गेस्ट्रो, कार्डियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नम्बर लगायें।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथैरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा० पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
डा० प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
डा० रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
डा० सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS
Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer
Vakrangee Kendra
ATM
Withdrawal & Deposit Money from All Bank (ATM & Adhaar Services)
Passport, Pan Card & Driving License Services
Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services
Aadhar Card Correction Online
Card nahi?
Scan Karo, Paisa Nikalo!
प्रो०- मो० आसिफ
7860303530, 9616636079
उप- संपादक
डॉ. इम्तियाज अहमद
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक
www.uttarshaktinews.com
E Mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
Uttar Shakti News Jaunpur
निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ. प्र०)